

वैरिक उपलब्धि

देश वैश्विक वन क्षेत्र रैकिंग में दशवें से नौवें स्थान पर पहुंच गया है। यह नई पायदान मात्र संख्यात्मक उपलब्धि नहीं, बल्कि पर्यावरणीय, नीतिगत और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। वनों की अंधार्धुंग कटाई से दुनिया में गहराते पारिस्थितिकी संकट के समय में भारत की कामयाबी वैश्विक पर्यावरणीय क्षेत्र में प्रेरणास्पद है। परिस्ट वनों आंकड़ों के बढ़ियों के गई हैं। खास बात यह कि यह बड़ोरी जल, जंगल और जर्मनी वाचनों की गति और प्रभाव के कम होने के बाद हुई है। जन अंदोलनों के प्रभाव से देश वैरिक वन की गति जासकता, परन्तु सरकारी नीतियों और सामुदायिक भागीदारी ने इस मामले में बहुत अग्रणी भूमिका निभाई है। ग्रीन इंडिया मिशन, राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम, केपस्टरी अफरेंस्टेन्शन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिंग अथवारीटी और मररेगा के तहत वृक्षारोपण कार्य, एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों ने हरियाली को इस पायदान पर ऊपर चढ़ने में मदद की है। इन अभियानों में आम लोगों की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही है।

पिछले कुछ वर्षों में जाजों को करोड़ों रुपये दिए गए, ताकि राज्य कर्ते वनों के बदले में नए पौधे लगा सकें। इन्हीं प्रयासों की वजह से बीते सालों में वन क्षेत्र के आंकड़ों में अशालीता वृद्धि दर्श की गई है। ब्राजील, इंडोनेशिया और अफ्रीका के देशों में बड़े पैमाने पर वन नियन्त्रण जारी है, इस उपलब्धि में इस वैश्विक गिरावट का बड़ा हाथ है, ऐसे में हृषक सफलता भले स्थायी न हो पर यह उस संवर्धन की शुरुआत है, जो 'संख्याओं की हरियाली' से आगे जाकर 'प्रगति' की वास्तविक हरियाली की ओर ले जाती है।

यह नंगा सच है कि विकास, औद्योगिकीकरण, खनन और शहरी विस्तार के नाम पर वनों की जबरदस्त कटाई से भारत में पिछले दशक में लगभग 14 लाख हेक्टेयर प्राकृतिक वन क्षेत्र नष्ट हुआ है। सबाल है कि कटाई जंगलों के दौर में वन क्षेत्र बढ़ कैसे रहा है? असल में कटे पुनर्नियों, जैव विविधता और सूक्ष्म जलवायी दशकों में बनती है। नये पौधों को उमेर तक पहुंचने में 40-50 वर्ष लग सकते हैं, इसलिए यह वृद्धि आंकड़ों में तो है, धरातल पर नहीं। भविष्य के लिए जल्दी है कि सरकार वृक्षारोपण के साथ-साथ प्राकृतिक वन संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वन्यजीव आवास या जल संरक्षण का विकल्प कभी नहीं बन सकते। इस तह जंगल काटाकर उनकी जगह नए पौधे लगाना पर्यावरणीय दृष्टि से केवल एक 'संकेतात्मक उपाय' भाव में न कि वास्तविक विकल्प। प्राकृतिक वनों की मिट्टी, जैव विविधता और सूक्ष्म जलवायी दशकों में बनती है। नये पौधों को उमेर तक पहुंचने में 40-50 वर्ष लग सकते हैं, इसलिए यह वृद्धि आंकड़ों में तो है, धरातल पर नहीं। भविष्य के लिए जल्दी है कि सरकार वृक्षारोपण के साथ-साथ प्राकृतिक वन संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वन्यजीव आवास सुरक्षा पर समान रूप से बल दे। पर्यावरणीय शिक्षा, जलवायी-अनुकूल शहरी नियोजन और टिकाऊ विकास की नीति को जीवनशैली का हिस्सा बना कर ही हम इस क्षेत्र में देश को कुछ वर्षों में और ऊपर ला सकेंगे।

प्रसंगवाच

80 बरस का हुआ यूएनओ कितना रह गया प्राप्तंगिक

वर्ष 1945 में दुनिया के 50 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समर्पणीय और न्यायोनिक बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभया था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ राष्ट्रीय नियासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षित अंतर्राष्ट्रीय उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था।

अंतर्राष्ट्रीय संघों में हस्ताक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित संयुक्त राष्ट्र संघ को इसी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कर्त्ता भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, साम्राज्य और यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना है, जो आज तक विद्यमान रूप से रहा है।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार



अगर औरत आजाद नहीं हो सकती तो मर्द कभी आजाद नहीं हो सकता।
-इस्मत चुगताई, उर्दू साहित्यकार

आर्थिक परिदृश्य में वृद्धि और असमानता का दब्द



डॉ. श्याम भाद्रव
असिरटेंट प्रोफेसर,
जीलैब यूनिवर्सिटी, मुमुक्षु

एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट-2025, 2024 में भारतीयों की संपत्ति और निवेश के बदलते रुझानों को उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान घरेलू वित्तीय संपत्ति में 14.5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि हुई, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे बड़ी छलांग है। प्रतिमूलिक वैकिंग समावेशन में सुधार हो रहा है।

भैंसित और वैकिंग वैक के वित्तीय समावेशन सूचकांक के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में यह 67 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो मार्च 2024 के 64.2 प्रतिशत से 4.3 अंक अधिक है। महिलाओं की स्थिति मानसिकता की ओर अग्रसर हो रही है।

इस बदलाव में निवेशकों की संख्या और वैक खाते हैं और फिस्ट डिपोजिट को प्राथमिकता देते हैं। सोना और चांदी सोदियों से भरोसेमंद विकल्प रहे हैं।

जेपर बाजार की गतिविधि भी इस बदलाव की वित्तीय समावेशन के बदलते रुझानों को उद्घास-को-देंदित सोच से आगे बढ़कर निवेश-को-देंदित मानसिकता की ओर अग्रसर हो रही है। उनके पास 39.2 प्रतिशत वैक खाते हैं और वैक जमा का 39.7 प्रतिशत तक पहुंच गया। ग्रामीण महिलाओं की वैकिंग पहुंच 42.2 प्रतिशत तक केवल 32.9 प्रतिशत पर सिमटा हुआ है। यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

भैंसित और वैकिंग वैक के वित्तीय समावेशन सूचकांक के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में यह 67 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो मार्च 2024 के 64.2 प्रतिशत से 4.3 अंक अधिक है। महिलाओं की स्थिति मानसिकता की ओर अग्रसर हो रही है।

महिलाओं की वित्तीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

यह अप्रतिश्येत भारतीय समावेशन में सुधार हो रहा है।

हा ल ही में एक एक खबर पढ़ी कि 'पिछले 150 वर्षों में लायों कीट प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं और हर साल शेष कीट बायोमास का 1 से 2.5 प्रतिशत तक नष्ट हो रहा है।' बड़ी बात यह है कि इन कीटों का पतन सिफ़ और सिफ़ महाद्वीपों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पृथ्वी के सबसे दूर बसे द्वीप भी इसकी चपेट में हैं। बहरहाल यह बहुत गंभीर और विंताजनक पर्यावरणीय मुद्दा है कि आज दुनिया भर में चीटियां, मधुमक्खियां, तितलियां और अन्य परागण करने वाले कीट (पालीनेटर) कम हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो आज दुनिया भर में कीटों का संसार खतरे में है। उल्लेखनीय है कि महाद्वीपों और द्वीपों पर कीटों के पतन को वैज्ञानिक 'इनसेक्ट एपोकलाप्स' यानी 'कीट प्रलय' के नाम से जानते हैं। वास्तव में इनके घटने के कई कारण हैं। मसलन इनमें क्रमशः खेती में कीटनाशकों का अंदाधुंध और अवैज्ञानिक प्रयोग, कीटों के प्राकृतिक आवासों (हेबिटेट) का लगातार नष्ट होना, जलवायु परिवर्तन, बढ़ता पर्यावरणीय प्रदूषण (मिट्टी, जल, वायु) बीमारियां और परजीवी आदि को शामिल किया जा सकता है। यहां तक कि प्रकाश और धनवन्प्रदूषण भी कीटों की विलुप्ति का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है।

सुधीर कुमार महला
रत्नपत्र क्राकर

जापान के ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एंटोमोलॉजिस्ट इवान इकोनोमो ने फिजी द्वीपमण्डल की चीटी प्रजातियों के जीनाम विलेषण से बताया है कि यहां स्वदेरी चीटी प्रजातियां 79 प्रतिशत घट गई हैं। गिरावट इंसानों के द्वायों पर करीब 3,000 साल पहले आगमन के साथ शुरू हुई और पिछले 300 वर्षों में यूरोपीय संपर्क, वैश्विक व्यापार और आधुनिक कृषि के फैलाव के साथ तेज हो गई। यह सोध जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी पर लगभग 5.5 मिलियन कीट प्रजातियां ही सकती हैं, जिनमें से लगभग 1 मिलियन को ही अब तक वैज्ञानिकों ने पहचाना और नामित किया है। इनका अर्थ यह है कि लगभग 80 प्रतिशत कीट प्रजातियां अभी भी जीत हैं, जो जैविक अनुसंधान के लिए एक बड़ा क्षेत्र प्रस्तुत होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) के अनुसार जुलाई 2016 तक 58 कीट प्रजातियां पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि 46 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं और एक प्रजाति केवल बन्धनों में ही विलुप्त हो चुकी है। यहां यही कीटों की विलुप्ति दर की बात करें, तो वैश्विक पर, पिछले 150 वर्षों में कीटों की लगभग 5 से 10 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जो लगभग 2,50,000 से 5,00,000 प्रजातियों के बराबर है। गैरतब यह कि जमीन में 63 नेचर रिजर्व में उड़ने वाले की 30 वर्षों में 75 प्रतिशत तक घट गए। इतना ही नहीं, अमेरिका में बीटल की संख्या 45 वर्षों में 83 प्रतिशत घटी और तितलियों की कई प्रजातियां संकट में हैं। यूरोप की घासभूमि में तितलियों की आबादी केवल एक दशक में 36 प्रतिशत घटी है।

इकोसिस्टम के लिए खतरा

कीटों की घटती प्रजातियां

कीट प्रलय का भारत में असर

कीट प्रलय का असर भारत में भी दिख रहा है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार मेलधार, महाराष्ट्र में प्रकाश प्रदूषण ने मैपलाई और अन्य कीटों की संख्या को लगभग 2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से घटा दिया है। जीलों के पास बने रिसॉर्ट्स और उनकी जेजे शोशेनी कीटों के प्राकृतिक चक्र को तोड़ रही है। भारत के हिमालय प्रदेश में मधुमक्खियां और अन्य कीटों की संख्या की विविधता और तितलियों जैसे परागणकर्ता की संख्या के लगभग 2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से घटा दिया है। जीलों के पास बने रिसॉर्ट्स और उनकी जेजे शोशेनी कीटों के प्राकृतिक चक्र को तोड़ रही है।

भारत के हिमालय प्रदेश में मधुमक्खियां और अन्य कीटों की संख्या के लगभग 2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से घटा दिया है। जीलों के पास बने रिसॉर्ट्स और उनकी जेजे शोशेनी कीटों के प्राकृतिक चक्र को तोड़ रही है।

गिरावट एक गंभीर प्रजातियों के विषय बन रुकी है। यह क्षेत्र 6,000 से अधिक कीट प्रजातियों का घर है, जिनमें से कई प्रजातियों के विषय बन रुकी हैं। जो कीटों की संख्या में गिरावट एक गंभीर प्रजातियों के विषय बन रुकी है। यह क्षेत्र 6,000 से अधिक कीट प्रजातियों का घर है, जिनमें से कई प्रजातियों के विषय बन रुकी हैं। जो कीटों की संख्या में गिरावट का कारण बन रही है।

सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कीटों की संख्या में गिरावट का कारण बन रही है।

पुष्टि जिले में आठ ईंगन पलाई प्रजातियों की आवश्यकता है। असलन इसके लिए हमें यह चाहिए कि सभी रसायनों (कीटनाशकों) के उपयोग में कटौती करें। आरोग्यिक कदम उठाएं। जैव-विविधता के संरक्षण के लिए तकात और उपचार करें। जैव-विविधता के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। जैव-विविधता के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। जैव-विविधता के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं।

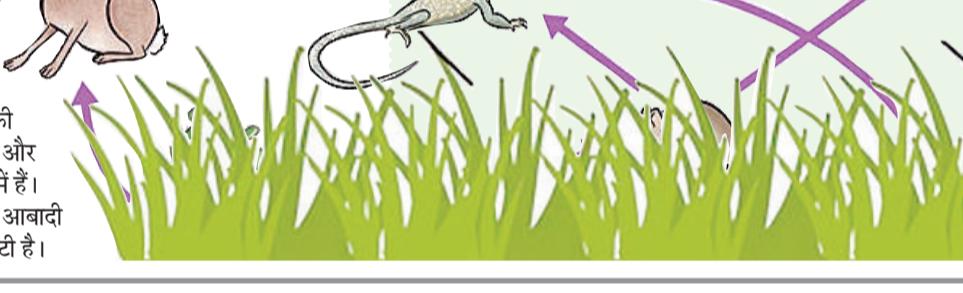
सकारात्मक कदम सावित हो सकते हैं।

कीटों की विलुप्ति एक गंभीर पर्यावरणीय

संकट है, लेकिन यदि समय रहने जागरूकता, नीति

और समृद्धि के विविधानों के लिए जरूरी कदम उठाएं। तक रोका जा सकता है। यह पर्यावरण प्रेमी है।

या नीति-निर्माण, यह विषय सबके लिए महत्वपूर्ण है।



विज्ञान फैक्ट

धातुएं, जो हवा और पानी के संपर्क में आने वाली प्रतिक्रिया करती हैं और कभी-कभी फूट भी जाती हैं ये धातुएं क्षार धातुएं कहलाती हैं। जैसे लिथियम, सोडाइयम और पोटेशियम, स्विल्डियम, सीजियम और बहुत दुर्लभ रूप से फ्रैशियम हैं। इनका बाहरी कक्ष में केवल एक इलेक्ट्रॉन होता है, इसलिए ये उस इलेक्ट्रॉन को आसानी से त्वाग कर और अक्सीकृत हो जाती हैं और तो तीव्र रासायनिक प्रतिक्रियाएं करती हैं। ये धातुएं हवा के अक्सीजन वन में आने वाली प्रतिक्रिया उड़ा उत्पन्न करती हैं। ये धातुएं हवा के अक्सीजन वन में विगरा भी पैदा करती हैं। ये धातुएं धातुएं के अक्सीजन वन में जितनी अधिक सक्रियता, उतनी अधिक उड़ा, जिससे उभरता हुआ हाइड्रोजन शराब पकड़ सकता है और विस्कोट/जलन हो सकती है। लिथियम का प्रतिक्रिया थोड़ा थोड़ी धीमी होती है, सीजियम का स्विल्डियम, रुबिडियम/सोडाइयम में जितनी अधिक सक्रियता, उतनी अधिक उड़ा, जिससे उभरता हुआ हाइड्रोजन शराब पकड़ सकता है और विस्कोट/जलन हो सकती है।

वाल्डिवियन समशीतोष्ण वर्षावन

दक्षिण अमेरिका की प्रकृति का खजाना

चिली और अर्जेन्टीना के दक्षिणी हिस्से में बसा वाल्डिवियन समशीतोष्ण वर्षावन प्रकृति की अनोखी रचना है। लगभग 2,50,000 वर्ष किलोमीटर में फैला यह प्राचीन वन अपने घने पेंडों, दुलभ वनस्पतियों और विविध जीव-जंतुओं के लिए जाना जाता है। यहां पारे जाने वाले फिल्जराया कपरसेयेड्स या अलर्सें पेड़ दक्षिण अमेरिका का सबसे विशाल वन्यजन है, जो 3,000 वर्षों से अधिक तक जीवित रह सकता है। यह वृक्ष न केवल अपनी आयु के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वन में कई दुर्जन्म और संकटग्रस्त प्रजातियों भी पाई जाती हैं, जिनमें ह्यूमूल हिरण प्रमुख है। इसके अलावा यहां मैजेलनिक कठोराइडा जैसी पक्षियों की अनोखी प्रजातियों भी निवास करती हैं। यह वर्षावन शोधकर्ताओं और पर्यावरणीयों के लिए किसी खजाने से कम नहीं, क्योंकि यह समशीतोष्ण वर्षावनों की जीव-विविधता को समझने के लिए एक अदार्श स्थल प्रदान करता है। वाल्डिवियन वन वास्तव में दक्षिण अमेरिका की प्राकृतिक संपदा का चमकता प्रतीक है।

जंगल की दुनिया



सजावट के साथ पर्यावरण संतुलन भी ज़रूरी

आज की दुनिया तेजी से विकास कर रही है, परंतु यह विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब वह वर्षावन पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर रहे। सतत विकास का यही मूल उद्देश्य है-आज की आवश्यकता और विकास के संपर्क में आने वाली प्रतिक्रिया करती है। और कभी-कभी फूट भी जाती है ये धातुएं क्षार धातुएं कहलाती हैं। जैसे लिथियम, सोडाइयम और पोटेशियम, स्विल्डियम, सीजियम और बहुत दुर्लभ रूप से फ्रैशियम हैं। इनका बाहरी कक्ष में केवल एक इलेक्ट्रॉन होता है, इसलिए ये उस इलेक्ट्रॉन को आसानी से त्वाग कर और अक्सीकृत हो जाती हैं और तो तीव्र रासायनिक प्रतिक्रियाएं करती हैं। ये धातुएं हवा के अक्सीजन वन में आने वाली प्रतिक्रिया उड़ा उत्पन्न करती हैं। ये धातुएं धातुएं के अक्सीजन वन में जितनी अधिक सक्रियता, उतनी अधिक उड़ा, जिससे उभरता हुआ हाइड्रोजन शराब पकड़ सकता है और विस्कोट/जलन हो सकती है। लिथियम का प्रतिक्रिया थोड़ा थोड़ी धीमी होती है, सीजियम का स्विल्डियम, रुबिडियम/सोडाइयम में जितनी अधिक सक्रियता, उतनी अधिक उड़ा, जिससे उभरता हुआ हाइड्रोजन शराब पकड़ सकता है और



हाल ही में जो तकनीक में अपना रहा हूं, वह ऐसी नहीं है जिसे मैंने अचानक बदला है। पिछले एक साल से मैं सोशल खेड़ा रहना चाहता था, खासकर उन विकेटों पर जहां उम्मीद से थोड़ा किया और यह मुझे काफ़ी रास आ रही है। - श्रेयस अश्वर

हाईलाइट

रंजना ने पैदल चाल में

रजत पदक जीता

पिका (बद्धरीन) : भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने बृहस्पतिवार को यहां पैशाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल सम्पर्क में रहत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शिंगी 24:15.27 सेकंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रही। कांगड़ा की जियांग यादें अन: 25:26.93 सेकंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शिंगी 24:15.27 सेकंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रही। कांगड़ा की जियांग यादें अन: 25:26.93 सेकंड के समय से कांस्य पदक जीता। पैशाई युवा खेलों में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कूरुश में एक रहत और दो कांस्य के अलावा ताइवांचों में दो कांस्य पदक जीते हैं।

भारत को सीओपी का उपाध्यक्ष चुना गया

नई दिल्ली : भारत को पैरिस में आयोजित खेल में डोपिंग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सीओपी एशिया-प्राइमा की 20वीं वर्षगांठ बैठक में पुनः उपाध्यक्ष चुना गया।

इसमें अंतर्राष्ट्रीय आंतरिक समिति (आईओसी) और विवर डोपिंग रोडी एजेंसी (वाडा) की प्रतिनिधियों के अलावा अन्य लोग भी शामिल हुए। यह सम्मेलन 20 से 22 अक्टूबर तक प्रांस की राजधानी सियांगको मुख्यालय में आयोजित किया गया। खेल मत्रालय ने एक बार में कहा यह बैठक सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया जो विवर स्तर पर खेलों में अंखंडता को बढ़ावा देने और डोपिंग को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध क्रमागत कानूनी रूप से बायकारी अंतर्राष्ट्रीय साधन है।

एडिलेड, एजेंसी

एडम जंपा और जेवियर बार्टलेट की उम्मीद गेंदबाजी के बाद मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली के अधर्शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली। भारत के 265 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शॉर्ट (74 रन, 78 गेंद, चार चौके, दो छक्के) और कोनोली (नावाब 61 रन, 53 गेंद, पांच चौके, एक छक्के) के अधर्शतक से 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में 17 साल बाद भारत को बनडे मैच हराया है।

शॉर्ट ने मैट रेनशॉ (30) तथा कोनोली के साथ समान 55 रन की साझेदारियां की। कोनोली ने इसके बाद मिचेल ओवेन (36 रन, 23 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 39 गेंद में 59 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की जीत मुश्किल निभाई।

भारत ने इससे पहले रोहित (73 रन, 97 गेंद, सात चौके, दो छक्के) और श्रेयस अश्वर (61 रन, 77 गेंद, सात चौके) के अधर्शतक और दोनों के बीच तीसरे विकेट की 118 रन की साझेदारी से नौ विकेट पर 264 रन बनाए। अक्षर पटेल (44 रन, 41 गेंद, पांच चौके) ने भी उपयोगी पारी खेली जबकि हर्षित राणा (नावाब 24) और अंशदीप सिंह (13) ने नौवें विकेट के लिए 29 गेंद में 37 रन जोड़कर टीम का ट्रेविस हेड (28) और कप्तान

भारत

264/9 (50 ओवर)

■ रोहित शर्मा का हेजलबुड बो स्टार्क 73 ■ शुभमन गिल का मार्श बो बार्टलेट 09 ■ विराट कोहली पामबांध बो बार्टलेट 00 ■ श्रेयस अश्वर बो जंपा 61 ■ अक्षर पटेल का शर्टार्क बो जंपा 44 ■ लोकेश राहुल बो जंपा 11 ■ वाशिंगटन का हेजलबुड बो बार्टलेट 12 ■ नितीश रेही स्टंट कोरी बो जंपा 08 ■ हर्षित राणा नावाब 24 ■ अंशदीप सिंह बो शर्टार्क 13 ■ मोहम्मद सिराज नावाब 00 गेंदबाज़ी : स्टार्क 10-0-62-2, हेजलबुड 10-2-29, बार्टलेट 11-1-39-3, ओवेन 2-0-20-0, जंपा 10-0-60-4, कोनोली 3-0-11-10, शॉर्ट 3-0-23-0, हेड 2-0-16-0

ऑस्ट्रेलिया

264/8 (46.2 ओवर)

■ मिचेल मार्श का राहुल बो अश्वदीप 11 ■ ट्रेविस हेड का कोहली बो राणा 28 ■ मैथ्यू शॉर्ट का सिराज बो राणा 74 ■ मैट रेनशॉ बो अक्षर 30 ■ एलेवेस कोरी बो वाशिंगटन 09 ■ कूपर कोनोली नावाब 61 ■ ओवेन का अश्वदीप बो वाशिंगटन 36 ■ बार्टलेट का गिल बो अश्वदीप 03 ■ मिचेल स्टार्क का अक्षर बो सिराज 04 ■ एडम जंपा नावाब 00 गेंदबाज़ी : सिराज 10-0-49-1, अश्वदीप 8-2-0-41-2, राणा 8-0-59-2, वाशिंगटन 7-0-37-2, नितीश 3-0-24-0, अक्षर 10-0-52-1

टीम इंडिया ने गंवा दी बनडे सीरीज

दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से हराया, रोहित चले, लेकिन विराट फिर खाता नहीं खोल सके

एडम जंपा और जेवियर बार्टलेट की उम्मीद गेंदबाजी के बाद मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली के अधर्शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को यहां उम्मीद गेंदबाजी के बाद मिचेल ओवेन (36 रन, 23 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 39 गेंद में 59 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

एडम जंपा (मध्य) ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

एजेंसी

कुछ कैच छूटने से मुश्किलों बढ़ीं : गिल

एडिलेड : भारतीय क्रिकेट न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया से दूसरा बनडे गुरुवार को दो विकेट से हारने के बाद कहा कि मुझे लगता है हमारे पास बस पर्याप्त रन थे। जब आप कुछ कैच छोड़ देते हैं तो उस खिलाफ का बवाब करना कभी आसान नहीं होता। भारत ने निर्वाचित 50 ओवर में निवेदित पर 264 रन का तुम्हारीपूर्ण स्कोर बनाया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने विकेट गंवाने के बावजूद 462 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत और सीरीज अपने नाम कर ली। मैरे के बाद गिल ने प्रेस्टेशन में कहा, 'जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती गई, विकेट और बेहतर होता गया। पहले बैट में टॉस ज्यादा 3हमा था, इस बार उतना नहीं रहा। दोनों टीमों ने लगभग 10-15 ओवर खेले। पहली पैर के शुरुआती 10-15 ओवरों के बाद विकेट काफी रिश्त हो गया था। (रोहित के बारे में) लेकिन साथी बायर ने एक विकेट के लिए 39 रन पर दो विकेट के बीच तीसरा विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे अंस्ट्रेलिया ने सरकार शुरुआत की। लक्ष्य का पीछा करने उतरे अंस्ट्रेलिया ने तीसरे विकेट के लिए 29 गेंद में 37 रन जोड़कर टीम का ट्रेविस हेड (28) और कप्तान

मिचेल मार्श (11) ने सात ओवर में 26 रन जोड़े। अश्वदीप ने मार्श को विकेटकीपर लोकेश राहुल के हाथों कैच करके इस साझेदारी को तोड़ा। हेड ने मोहम्मद सिराज पर छक्का देकर तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे अंस्ट्रेलिया ने सरकार शुरुआत की।

एडम जंपा (मध्य) ने तीसरे विकेट के लिए 29 गेंद पर मिचेल मार्श को तोड़ा।

जंपा ने गेंद पर मिचेल मार्श को तोड